हमारे बारे में

स्वदेशी क्षमता को संचारित कर देश में एकीकृत इस्पात संयंत्रों के निर्माण के लिए इस्पात मंत्रालय के अधीन हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड की स्थापना एक सरकारी निर्माण एजेंसी के रुप में 1964 में की गई। इस नवीन संस्थान का विकास आवश्यकता के अनुरूप हुआ तथा इसने दक्ष मानव संसाधनों और आधुनिक निर्माण उपकरणों को संचारित कर निर्माण की सभी चुनौतियों को सफलतापूर्वक सामना किया। तब से आजतक कम्पनी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। बाद के वर्षो में भारत की प्रायः सभी बृहत इस्पात संयंत्रों का निर्माण एच.एस.सी.एल द्वारा किया गया। जैसे जैसे कम्पनी के संसाधनों एवं दक्षता में वृद्धि हुई इसने अपने कार्यकलापों को मोड़ते हुए अन्य क्षेत्रों जैसे विद्युत संयंत्रों, खनन परियोजनाओं, बांध और बैरेज सहित सिंचाई परियोजनाओं, तेल शोधकों, रेलवे, विमान पत्तनों, भवनों और वाणिज्यिक परिसरों, ग्रामीण सड़कों, राजमार्गो, फ्लाई ओवरों, रेलवे और सड़क यातायात के लिए छोटे एवं बड़े पुलों का निर्माण, शैक्षणिक संस्थानों के लिए बुनियादी संरचनाओं, स्वास्थ्य केन्द्रों और अस्पतालों आदि के निर्माण कार्यो में प्रवेश किया। कम्पनी ने विभिन्न ग्राहकों के लिए अनेक ''टर्न की'' परियोजनाओं को शुरु कर उसे सफलतापूर्वक पूरा किया है। एच.एस.सी.एल आज एक आइ एस ओ 9001-2000 प्रमाणित कम्पनी है तथा इसकी कार्यक्षमता के अन्तर्गत निर्माण कार्यकलापों के सभी क्षेत्र आते हैं।

वर्ष 1965-66 में रु 5 करोड़ की एक छोटी रकम से शुरुआत कर कम्पनी ने वर्ष 2007-08 में रु 526 करोड़ का टर्न ओवर हासिल किया है। आर्डर बुक भी प्रतिवर्ष बढ़ रही है। वर्ष 2008-09 के प्रारम्भ में कम्पनी के पास रु 1450 करोड़ का आर्डर रहा। विगत तीन वर्षो के दौरान टर्न ओवर और आर्डर बुकिंग क्रमशः 22% ओर 48% के सी ए जी आर को दर्शाता है; जो वर्ष 2007-08 के दौरान अभिलिखित समग्र औद्योगिक विकास के 8.3% से बहुत अधिक है। कम्पनी ने आपनी स्थापना से आज तक रु 8550 करोड़ के कार्यो को पूरा किया है। वित्तीय वर्ष 2008 के दौरान रु 40 करोड़ के परिचालन लाभ के साथ कम्पनी के वित्तीय परिणाम में भी सुधार हो रहा है।

ग्यारवीं योजना के दौरान इस्पात के अलावा बुनियादी संरचनाओं के क्षेत्रों में व्यापक निवेश होने वाली है। तेल एवं इस्पात की बढ़ती कीमतों से बनी चिंता के बावजूद कम्पनी औद्योगिक तेजी के परिदृश्य से लाभ उठाने तथा अपने कारबार के परिमाण को आक्रामक रुप से बढ़ाने के लिए पूर्णरुप से तैयार है।

एक सरकारी संस्थान होने के नाते एच.एस.सी.एल पारदर्शी निगमित परिचालन के अनुपालन के प्रति वचनबद्ध है तथा सरकार के 'भारत निर्माण कार्यक्रम' के अन्तर्गत देश के पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में सहयोग देना आपना प्राथमिक दायित्व समझती है।

''एच.एस.सी.एल रचनात्मक कार्यकलापों द्वारा भावी संरचना के प्रति समर्पित है''